



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई विल्सनी, सोमवार करवरी 7, 1977/माघ 18, 1898

No. 40]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 7, 1977/MAGHA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 7th February 1977

G.S.R. 61(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts potassium chloride (muriate of potash) falling under sub-heading No. (5) of Heading No 31.02/05 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, that—

- (i) the said goods shall be proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the same are being imported for use as manure; and
- (ii) the said goods shall not be used for any purpose other than as manure.

[No 21/F No S 6/77-TRU (Cus)]

JOSEPH DOMINIC, Under Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पत्र)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

नईदिल्ली, 7 फरवरी, 1977

सा. का. नि. 61(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उम्मीदारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि नोकहित में ऐपा करता आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष पर 31.02/05 के उत्तरोर्व पर (5) के अन्तर्गत सम्मिलित पोटैशियम क्लोरोइड (पोटाश एपूरियट) को उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घरणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट देती है, अर्थात् यह कि,—

- (i) उक्त माल की बाबत सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान प्रदरूप में यह सिद्ध किया जाएगा कि उसका प्रायान खाद्य के रूप में उपयोग करने के लिए किया जा रहा है, और
- (ii) यह कि उक्त माल का उपयोग खाद्य से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जाएगा।

[पर 21/एफ० सं. ८८० ६/७७-टी० प्रार० य० (सी० श०)]

जोसेफ हॉमिनिस, अवृत्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, विल्ली द्वारा प्रकाशित 1977